पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम

(पाठ्यक्रम कोड : ACE)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

के

सहयोग से विकसित

कार्यक्रम दर्शिका

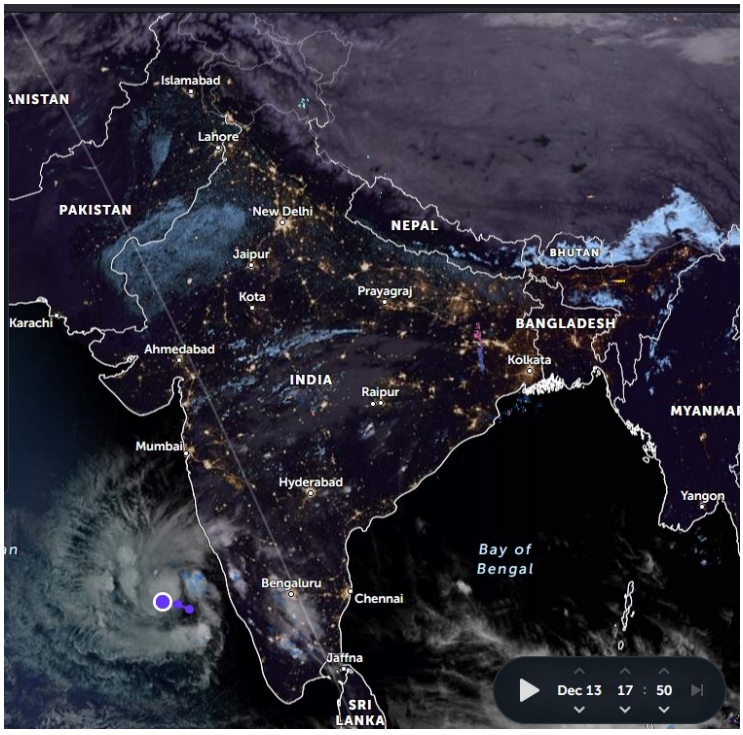

विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110 068

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	3
2.	पाठ्यक्रम घटक	3
3.	पाठ्यक्रम अध्ययन की पद्धतियाँ	3
4.	अवधि	4
5.	मुद्रित सामग्री	4
6.	संपर्क कार्यक्रम	5
7.	परियोजना कार्य	7
8.	विद्यार्थी प्रतिपुष्टि	9

आवरण चित्र : 13 दिसंबर 2022 की शाम में सुदूर संवेदन उपग्रह चित्र द्वारा भारत का एक दृश्य । यह उपग्रह चित्र प्राकृतिक और मानव निर्मित लक्षणों की दीप्ति दर्शा रही है। यह मानव गतिविधि पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए उपयोगी हो सकता है।
(A view of India at night as observed in a remote sensing satellite image as on 13th December 2022 showing glow of natural and human built phenomena. It could be useful to gain insight on human activity)

स्रोत :© Zoom Earth, Microsoft (https://zoom.earth)

पाठ्यक्रम संबंधित जानकारी के लिए कृपया संपर्क करे : प्रो. आर. भास्कर या प्रो. बेनीधर देशमुख
पाठ्यक्रम संयोजक, पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम (ACE)
Email: **ace@ignou.ac.in; Phone: 011-2957 1677**

1. प्रस्तावना

पर्यावरण का विषय आज लगातार लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहा है। ऐसा देखा गया है कि कई शिक्षाविद् अपने व्यवसायों में बहुत व्यस्त होने के बावजूद पर्यावरण संबंधी विषयों के बारे में जानने की तीव्र इच्छा रखते हैं। साथ ही वे आस-पास के क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी प्रबंधन में अपना योगदान देना चाहते हैं। कभी-कभी किसी विषय संबंधी गलत जानकारी या अत्यधिक जानकारी के कारण वे अपनी विषय विशेषज्ञता के बावजूद, अपना योगदान नहीं दे पाते। इन्हीं कारणों को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से इस पर्यावरण पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम कोड : ACE) को तैयार किया है। यह पर्यावरण संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने के लिए बिना क्रेडिट वाला पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :

- राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण मुद्दों पर जानकारी का प्रसार करना ;
- उन व्यावसायिकों, शिक्षकों तथा समाज के सदस्यों में पर्यावरण संबंधी चेतना उत्पन्न करना जो कि पर्यावरण के लिए आम राय बनाने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं ताकि पर्यावरण में सुधार संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके; तथा
- उन व्यक्तियों में पर्यावरणीय नेतृत्व के विकास को बढ़ावा देना जो पर्यावरण उन्नति संबंधी कार्यक्रमों को आयोजित कर सकते हैं।

2. पाठ्यक्रम घटक

पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित शामिल हैं :

i) स्वशिक्षण मुद्रित सामग्री; तथा
ii) संपर्क कार्यक्रम जिसके भाग हैं :
   - टेली-/वेब-कान्फ्रेंस सत्र;
   - ऑडियो/विडियो प्रोग्राम एवं परामर्श सत्र; तथा
   - परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला।

इनसे संबंधित विस्तृत जानकारी भाग 5 तथा 6 में दी गई है।

3. पाठ्यक्रम अध्ययन की पद्धतियाँ

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन दो पद्धतियों से किया जा सकता है :

पद्धति 1 : जागरूकता सृजन पद्धति
पद्धति 2 : प्रमाणन पद्धति

पद्धति 1 : जागरूकता सृजन पद्धति

इस पद्धति द्वारा आप मुद्रित सामग्रियों का अध्ययन तथा उसमें दिए गए क्रियाकलापों को अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। इसमें आपको किसी औपचारिक मूल्यांकन प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। भाग 6 में वर्णित संपर्क कार्यक्रम के माध्यम से आप अपने शिक्षा के अनुभव को नवीनतम और ज्ञान सम्पन्न कर सकते हैं। हालांकि यह संपर्क कार्यक्रम वैकल्पिक है परन्तु इसमें आने से आपको लाभ होगा।

पद्धति 2 : प्रमाणन पद्धति

इस पद्धति में आपको प्रमाण पत्र अर्जित करने हेतु, मुद्रित सामग्रियों के अध्ययन के साथ-साथ परियोजना कार्य भी सफलतापूर्वक करना होगा। परियोजना कार्य से संबद्ध जानकारी भाग 7 में विस्तार से दी गई है। यहां हम इस पद्धति द्वारा अध्ययन संबंधी कुछ बातें बताने जा रहे हैं। आप अपनी मुद्रित सामग्रियों का अध्ययन व प्रस्तावित क्रियाकलाप को दो महीनों में पूरा करने का लक्ष्य बना कर चलें। इससे आपको न केवल पर्यावरण संबंधी मूलभूत जानकारी प्राप्त होगी, बल्कि साथ ही साथ आपको अपने परियोजना कार्य के लिए उपयुक्त विषय चुनने में भी मदद मिलेगी। परियोजना कार्य पूरा करने की निर्धारित तिथि तथा इस कार्य को परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में प्रस्तुत करने की पूर्व जानकारी से आपको आवश्यक तैयारी करने में सहायता होगी (देखें भाग 7)।

4. अवधि

इस पाठ्यक्रम की अवधि 3 माह है और आपसे अपेक्षा की जाती है कि पाठ्यक्रम के सभी क्रियाकलाप आप इस अवधि में ही पूरा कर लें। यदि आप किन्हीं कारणों से इस अवधि में अपना परियोजना कार्य पूरा नहीं कर पाते तथा उसे अपने पंजीकरण चक्र की परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में नहीं प्रस्तुत कर पाते तो आप इसे अगले चक्र में प्रस्तुत कर सकते हैं। परन्तु इसके लिए आपको अपने क्षेत्रीय निदेशक/पाठ्क्रम प्रभारी से पहले अनुमति लेनी होगी।

5. मुद्रित सामग्री

स्वशिक्षण शैली में तैयार की गयी मुद्रित सामग्री के तीन खण्ड हैं तथा प्रत्येक खण्ड की कुछ इकाइयां हैं। मुद्रित सामग्री विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों तथा दूरस्थ शिक्षा विशेषज्ञों के व्यापक विचार विमर्श तथा सूक्ष्म परीक्षण के बाद तैयार की गई है। इन खण्डों की विषय-वस्तु का अंदाजा आप निम्नलिखित इकाई-शीर्षकों द्वारा लगा सकते हैं।

खण्ड 1 पर्यावरण संबंधी चिंताएं

इकाई 1 पर्यावरण क्यों आवश्यक है ?
इकाई 2 प्राकृतिक संसाधन
इकाई 3 विकास और पर्यावरण
इकाई 4 विकास तथा पर्यावरण प्रदूषण
इकाई 5 पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य

खण्ड 2 पर्यावरण संबंधी प्रबंधन

इकाई 6 पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन
इकाई 7 संसाधन प्रबंधन
इकाई 8 पर्यावरण गुणवत्ता प्रबंधन

खण्ड 3 पर्यावरण संबंधी सुधार

इकाई 9 पर्यानुकूली प्रौद्योगिकियाँ
इकाई 10 पर्यावरण नियमावली
इकाई 11 विश्वस्तरीय समस्याएं और चिंताएं

आइए, आपको पाठ्यक्रम खण्ड के फारमेट के बारे में अवगत कराएं।

खण्ड के पहले पृष्ठ पर उस खण्ड की इकाइयों की संख्या तथा शीर्षक दिए गए हैं। इसके बाद के पृष्ठ पर इस पाठ्यक्रम में योगदान देने वाले व्यक्तियों का उल्लेख है। इससे अगला पृष्ठ पाठ्यक्रम परिचय (पहले खण्ड में) तथा उसके बाद खण्ड परिचय है। प्रत्येक इकाई के अध्ययन के बाद आपको जिस योग्य होने की अपेक्षा है इसका वर्णन उद्देश्यों में किया गया है। इकाई के अंत में आपने अध्ययन के दौरान जो सीखा है उसे आत्मसात् व सुदृढ़ करने के लिए कुछ क्रियाकलाप सुझाए गए हैं। इसके बाद इकाई में बताई गई मुख्य बातों को सारांश में प्रस्तुत किया गया है तथा इकाई में दिए गए विभिन्न विषयों के बारे में और अधिक अध्ययन के लिए कुछ उपयोगी पुस्तकें सुझाई गई हैं। आपको सलाह है कि नवीनतम तथ्यों तथा आंकड़ों के लिए आप इन पुस्तकों के नवीनतम अंक ही देखें।

6. संपर्क कार्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में एक तीन दिवसीय संपर्क कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका विवरण आगे दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम आपके क्षेत्रीय केन्द्र जहां आपने इस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण किया है, पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की समय संबंधी इस पूर्व जानकारी से आपको इसके लिए समय निर्धारित करने में सहायता होगी।

- **जनवरी - मार्च चक्र** के लिए संपर्क कार्यक्रम मार्च के तीसरे सप्ताह में बुधवार से शुक्रवार प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बजे के बीच आयोजित होगा। परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में यदि विद्यार्थियों की संख्या 15 से अधिक होगी तो शुक्रवार के दिन कार्य ाला की अवधि कुछ बढ़ सकती है।

- **जुलाई - सितम्बर चक्र** के लिए संपर्क कार्यक्रम सितम्बर के तीसरे सप्ताह में बुधवार से शुक्रवार प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बजे के बीच आयोजित होगा। जैसा कि ऊपर बताया गया है, परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में यदि विद्यार्थियों की संख्या 15 से अधिक होगी तो शुक्रवार के दिन कार्य ाला की अवधि कुछ बढ़ सकती है।

संपर्क कार्यक्रम अनुसूची

दिन	क्रियाकलाप
दिन 1, बुधवार	**टेली / वेब-कान्फ्रेंसिंग सत्र** सत्र 1 प्रातः 11:00 से 11:45 बजे तक सत्र 2 दोपहर 12:00 से 12:45 बजे तक सत्र 3 दोपहर 1:00 से 1:45 बजे तक *(इस एक-तरफा विडियो और दो-तरफा ऑडियो के प्रसारण द्वारा आपको इग्नू मुख्यालय में मौजूद विषय विशेषज्ञों, क्षेत्रीय केन्द्र में आमंत्रित विशेषज्ञों तथा पाठ्यक्रम सहपाठियों से सीधे बातचीत व अंतःक्रिया करने का अवसर मिलेगा।)*
दिन 2, बृहस्पतिवार	**ऑडियो - विडियो प्रोग्राम** *(आप इस **कार्यक्रम दर्शिका** में दी गई सूची से प्रोग्राम चुन सकते हैं।)* **तथा** **पर्यावरण विशेषज्ञ से अंतःक्रिया** *(यह निम्नलिखित के लिए एक उपयोगी अवसर है :* • *संकल्पनाओं का स्पष्टीकरण,* • *पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उभरते हुए मुद्दे और नए विकास की जानकारी, तथा* • *विचारों और अनुभवों के आदान प्रदान।)*
दिन 3, शुक्रवार	**पर्यावरण मूल्यांकन कार्यशाला** *(इस सत्र में विद्यार्थियों द्वारा परियोजना रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण का सहभागी मूल्यांकन होगा जिसमें पर्यावरण विभोषज्ञ, क्षेत्रीय केन्द्र में इस पाठ्यक्रम के प्रभारी तथा सहपाठी भाग लेंगे।)*

ऑडियो/विडियो कार्यक्रमों की सूची

ऑडियो कार्यक्रम

1. Radiation: a fact of life
2. Renewable energy in action
3. Population pressure
4. The forest ecosystem
5. Environment : our life support system
6. विकिरण : जीवन का एक तथ्य
7. अपारंपरिक ऊर्जा का विकास
8. जनसंख्या वृद्धि - समस्या और समाधान
9. वन पारिस्थितिक तंत्र
10. पर्यावरण एवं जीवमंडल
11. प्रदूषणों के प्रकार एवं इनसे निजात
12. पर्यावरण असंतुलन एवं इसका प्रभाव
13. पारितंत्र एवं इसके घटक

विडियो कार्यक्रम

1. The story of a river
2. Barren land - an ongoing concern
3. Cherrapunjee - the contradiction
4. Umiam Lake - the gem under threat
5. The healing herbs
6. Music of life
7. Biomagnification
8. Chilika - our natural heritage
9. Biosphere at a glance - terrestrial biome
10. We the people - Film 1: The environment
11. We the people - Film 2: The price we pay
12. We the people - Film 3: Towards a sustainable world
13. Where the tallest grass grows
14. A call from the horizon
15. Vanishing wilderness : Primates of Assam
16. Silent revolution in the Cardamom Hills
17. Vasundhara
18. The Chipko Movement
19. The herbal medicine man of Meghalaya
20. Megha (the cloud)
21. Agriculture and environment
22. Conservation of water resources
23. Contemporary environmental issues and development
24. Remote sensing and GIS in environment management
25. Earth System Science and Society Part-1
26. Earth System Science and Society Part-2
27. Soil : Product of Weathering
28. Landslides : Mitigation Measures
29. Landslide Hazard Zonation
30. Observing Weather
31. Predicting Weather
32. Composition and Structure of the Atmosphere
33. Insolation and Atmospheric Temperature
34. Progress in Climatology: Satellite Climatology and GIS
35. Weather Data Recording and Weather Forecasting
36. Applied Climatology
37. Role of Ocean Circulation in Climate Change
38. एक नदी की कहानी
39. बंजर धरती - हरियाली की ओर
40. चेरापूंजी - एक अपवाद
41. संजीवनी - प्रकृति का अनुदान
42. चिलका : हमारी प्राकृतिक विरासत
43. मानव पर्यावरण पर शहरीकरण का प्रभाव

यह सभी कार्यक्रम विश्वविद्यालय वेबसाइट के इस लिंक से देखे/सुने जा सकते हैं :

www.ignou.ac.in > About IGNOU > Schools of Studies > School of Sciences (SOS) > Programmes > Appreciation Course on Environment (ACE) > Audio Programmes / Video Programmes

यह http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/36575 लिंक से भी देखे/सुने जा सकते हैं।

7. परियोजना कार्य

- प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु परियोजना रिपोर्ट तैयार करना तथा उसे परियोजना मूल्यांकन कार्य ाला में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- परियोजना कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश तथा इसकी मूल्यांकन योजना नीचे दी गई है। परियोजना कार्य करने के लिए आप पर्यावरण से संबद्ध अपना मनपसंद व रूचि का विषय चुन सकते हैं। प्रत्येक इकाई में दी गई क्रियाकलापों की सूची में से कोई एक क्रियाकलाप परियोजना कार्य के लिए चुना जा सकता है।

आप परियोजना कार्य के लिए लगभग 30 घंटों का समय निर्धारित कीजिए। इतना समय परियोजना कार्य के विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि विषय का चुनाव, तथ्यों तथा आंकड़ों की खोज एवं उनको एकत्रित करना, उपलब्ध जानकारियों का प्रस्तुतीकरण और परियोजना अध्ययन के निष्कर्षों को परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तुत करना, इत्यादि के लिए पर्याप्त रहेगाा। परियोजना रिपोर्ट ए-4 साइज के 20-25 पृष्ठों में, हस्तलिखित या डबल स्पेस में टाइप की जा सकती है। परियोजना मूल्यांकन कार्य ाला से पूर्व आपको परियोजना कार्य की एक प्रति अपने क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक/पाठ्यक्रम प्रभारी को जमा करवानी होगी।

परियोजना कार्य के संपर्क कार्यक्रम के दौरान, परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में सहभागी मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें क्षेत्रीय केन्द्र में पाठ्यक्रम प्रभारी, बाहरी विशेषज्ञ तथा आपके सहपाठी भाग लेंगे। आपको भाग 6 में दी गई अनुसूची के अनुसार इस कार्यशाला में अपने परियोजना कार्य पर एक लघु प्रस्तुतीकरण करना होगा। परियोजना कार्य मूल्यांकन योजना निम्नानुसार है:

परियोजना कार्य मूल्यांकन की योजना

क्र. सं.	परियोजना कार्य के पक्ष	अंक
1.	विषय..... (*स्पष्ट, दिशात्मक, केंद्रित, संभव*)	2
2.	उद्देश्य..... (*प्राप्य, पता लगाये जा सकने वाले, परिमेय*)	1
3.	क्रियाविधि..... (*तथ्यों तथा आंकड़ों को इकट्ठा करने की विधियाँ*)	3
4.	परिणाम एवं निष्कर्ष..... (*समस्या/विषय की समझ एवं वि लेषण*)	3
5.	सुझाव तथा कार्यवाही..... (*कार्यवाहियों का तथा उन्हें निष्पादित करने वाले व्यक्तियों का उल्लेख*)	2
6.	प्रस्तुतीकरण..... (*परियोजना रिर्पोट, एवं परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला दोनों में*)	4
	कुल अंक	**15**

सफल परियोजना कार्य ..... 8 या उससे अधिक अंक

आपके परियोजना कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर तथा परियोजना कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा दिया जाएगा।

परियोजना कार्य के लिए कुछ विषय

1. परियोजना कार्य के लिए श्रेष्ठ विषय वही है जिसमें आपकी रूचि है जिससे कि आपका ध्यान उसके गहन अध्ययन तथा विश्लेषण पर केन्द्रित हो सके।
2. पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई में कई क्रियाकलाप दिए गए हैं। इनमें से एक को आप अपने परियोजना कार्य के लिए चुन सकते हैं।
3. यदि आपकी अभिरुचि चित्रकारी की ओर है तो आप प्रकृति या उसके विभिन्न घटकों जैसे कि हवा, पानी, ऊर्जा, पौधा, पक्षी, जन्तु, प्राकृतिक दृश्य इत्यादि के सूक्ष्म विवरण इस माध्यम से भी अभिव्यक्त कर सकते हैं। कलाकार अपनी संवेदनशील प्रकृति से विषय की उन बारीकियों को महसूस कर लेते हैं।
4. कविता लिखना या पर्यावरण संबंधी कविताओं का संग्रह करना जो विभिन्न पर्यावरण संबंधी मुद्दों, समस्याओं और यहां तक की उनके समाधान से संबंधित अनुभूति को प्रतिबिम्बित करता है, परियोजना का एक अन्य क्षेत्र है।
5. फोटोग्राफी – वन्यजीवन या पर्यावरण या फिर प्रकृति के किन्हीं पहलुओं या दृश्यों के फोटो लिए जा सकते हैं। संक्षिप्त विवरण के साथ इस प्रकार का फोटो संग्रह एक परियोजना कार्य हो सकता है।
6. पर्यावरण से संबंधित किसी पुस्तक की समीक्षा परियोजना कार्य का एक अन्य क्षेत्र है। इस पाठ्यक्रम की इकाइयों के अंत में दिए गए संदर्भों की सूची या फिर अखबारों या जर्नलों जो कि पर्यावरण से संबद्ध नई प्रकाशित पुस्तकों की जानकारी नियमित रूप से देते हैं – इनमें से आप एक रोचक पुस्तक इस कार्य के लिए चुन सकते हैं।
7. मेट्रो-ट्रेन परियोजना के अंतर्गत हुए निर्माण कार्यों के स्थानीय पर्यावरण पर प्रभावों का अध्ययन – एक क्षेत्र (फील्ड) में किया जाने वाला परियोजना कार्य का विषय हो सकता है।
8. अपने अनुभव से लगभग पिछले 25 वर्षों में मौसम में हुए परिवर्तनों को भी आप परियोजना कार्य का विषय बना सकते हैं। इस विषय पर आप अपने परिवार के सदस्यों या अपने पड़ोसियों इत्यादि से भी विचार विमर्श कर सकते हैं जिससे आपको अपने प्रेक्षणों को सुचारू और सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत करने में मदद मिल सकती है।
9. पर्यावरण के किसी पहलू पर एक लघु फिल्म बनाना भी एक साहसिक व उत्साहवर्धक परियोजना कार्य हो सकता है।
10. पर्यावरण संबंधी किसी मुद्दे या समस्या के समाधान सहित केस अध्ययन तैयार कर परियोजना कार्य कर सकते हैं।
11. आप भारत की पर्यावरण नीति का अध्ययन एवं समीक्षा भी कर सकते हैं। नीति संबंधी इस दस्तावेज को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की वेबसाईट http://www.envfor.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
12. या फिर आप एक पर्यावरण संबंधित अखबार का डिजाइन तथा रूपरेखा तैयार करके इसके नियमित प्रकाशन के तरीकों को सुझाते हुए अपना परियोजना कार्य तैयार कर सकते हैं।
13. एक और परियोजना कार्य विकल्प है कि आप किसी समुदाय के लिए टिकाऊ जीवन शैली बताने के लिए पर्यावरणीय अभियान का मसौदा तैयार करें।
14. विभिन्न पारिस्थितिक प्रतिद्वन्दों से निपटने के लिए प्रबंधन के तरीकों पर विवेचना – जैसे कि आदिवासियों का उनके मूलनिवास स्थान से पुर्नवास, स्थानीय व्यष्टियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपलब्ध ना होना, किसी क्षेत्र के पर्यावरण पर वैभवीकरण का प्रभाव इत्यादि भी आपके परियोजना कार्य के विषय हो सकते हैं।
15. सतत् वन्यजीवन संरक्षण के लिए उपायों की योजना प्रस्तुत करना भी परियोजना कार्य का एक रोचक विषय हो सकता है।
16. पर्यावरण के बारे में जागरुकता पैदा करने वाले अंतरराष्ट्रीय दिनों पर लेख तैयार कीजिए।
17. जागरुकता पैदा करने वाले राष्ट्रीय पर्यावरण दिवसों के इतिहास पर आलेख लिखिए।
18. लगभग दस दिनों की अवधि में सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय अवलोकनों को फिल्म या शब्दों के माध्यम से रिर्काड कीजिए।
19. किसी पौधे में फूल से फल बनने की प्रक्रिया को नोट कीजिए।

8. विद्यार्थी प्रतिपुष्टि

प्रिय विद्यार्थी,

इस पाठ्यक्रम के डिजाइन, रूपरेखा या बोधगम्यता के संबंध में हम आपकी प्रतिपुष्टि चाहते हैं। इन पहलुओं के अतिरिक्त किसी अन्य पहलू पर प्रतिपुष्टि का भी स्वागत है।

सधन्यवाद,

भवदीय
पाठ्यक्रम संयोजक (ACE)
आप अपनी प्रतिपुष्टि हमें ईमेल **ace@ignou.ac.in** पर भी भेज सकते हैं

प्रतिपुष्टि लिखने के लिए स्थान

प्रतिपुष्टि लिखने के लिए स्थान

_____ इसे यहां मोड़िए _____

कृपया यहाँ डाक टिकट लगाएं

सेवा में

पाठ्यक्रम संयोजक
पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम (ACE)
विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली - 110068

_____ इसे यहां मोड़िए _____

भेजने वाले की नामांकन संख्या तथा पता